P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-5* ISSUE-7* October- 2020
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

मलिन बस्ती में रहने वाले बालकों की शैक्षिक प्रगति में आधुनिकीकरण की भूमिका का अध्ययन

Study of The Role of Modernization In The Educational Progress of Slum Dwellers

Paper Submission: 15/10/2020, Date of Acceptance: 25/10/2020, Date of Publication: 26/10/2020

अम्बिका सिहं
शोध छात्रा,
शिक्षा संकाय,
छत्रपति शाहू जी महाराज
विश्वविद्यालय, कानपुर नगर,
उत्तर प्रदेश, भारत

रश्मि गोरे
असिस्टेन्ट प्रोफेसर,
शिक्षा संकाय,
छत्रपति शाहू जी महाराज
विश्वविद्यालय, कानपुर नगर,
उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

वर्तमान समय विज्ञान और प्रौद्योगिकी का समय है, जिसने मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक एवं सास्कृतिक जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन ला दिया है। नगरीकरण औद्योगीकरण की ही एक विशेषता है, जो आज प्रत्येक शहर मे मलिन बस्ती के रूप में निवास कर रही है। जो आधुनिकीकरण की ही देन है। शिक्षा आधुनिकीकरण का साधन है, तथा यह आधुनिकीकरण से प्रभावित भी होती है। प्रस्तुत शोध पत्र में यह देखा गया है कि किस प्रकार आधुनिकीकरण की प्रक्रिया मलिन बस्ती के बालकों की शैक्षिक प्रगति को प्रभावित करती है। इसके लिए कानपुर नगर की मलिन बस्तियों में रहने वाले कक्षा नौ में अध्ययनरत 200 बालकों को न्यादर्श के रूप में चयन गया है। जिसमें 100 उच्च शैक्षिक प्रगति के तथा 100 निम्न शैक्षिक प्रगति के है। जिनका चयन यादृच्छिक एवं सोदेश्यपूर्ण न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया है। प्रदत्त संकलन हेतु डॉ० एस0 पी0 अहलूवालिया एवं डॉ० ए0 के0 कालिया द्वारा निर्मित 'कम्प्रेहेन्सिव मॉर्डनाईजेशन इनवेन्टरी' (संशोधित 2010) प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। शैक्षिक प्रगति के रूप में पूर्व परीक्षा (कक्षा आठ) के अंकपत्र में प्राप्त अंको को प्रतिशत के रूप में लिया गया है। जिसमें परिणामस्वरूप पाया गया कि उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण में अन्तर है। जिससे स्पष्ट है कि शैक्षिक प्रगति का आधुनिकीकरण में प्रभाव पड़ता है।

The present time is the time of science and technology, which has revolutionized the social, economic and cultural life of man. Urbanization is a specialty of industrialization, which today is inhabited in every city as a slum. Which is the result of modernization. Education is a means of modernization, and it is also affected by modernization. In the research paper presented, it has been seen how the process of modernization affects the educational progress of the slum children. For this, 200 children studying in class nine living in the slums of Kanpur city have been selected as judges. 100 high educational progress and 100 low academic progress. Those who have been selected by random and objective judicial method. The 'Comprehensive Modernization Inventory' (revised 2010) questionnaire created by Dr. SP Ahluwalia and Dr. AK Kalia was used for the compilation provided. As academic progress, the marks obtained in the marksheet of the pre-examination (class eight) have been taken as a percentage. As a result, there is a difference in modernization of children with high and low educational progress. It is clear that educational progress has an impact in modernization.

मुख्य शब्द : मलिन बस्ती, शैक्षिक प्रगति (उच्च एवं निम्न), बालक, आधुनिकीकरण।
Slum, Educational Progress (High And Low), Children, Modernization.

प्रस्तावना

वर्तमान समय में मलिन बस्तियां समाज का आवश्यक अंग बन गयी हैं। औद्योगिक क्रान्ति मलिन बस्तियों की जनसंख्या बढ़ाने में महत्व पूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत के प्रमुख औद्योगिक नगर जैसे–गुजरात, महाराष्ट्र, कलकत्ता, चेन्नई एवं तमिलनाडु में मलिन बस्तियों की 50 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। मलिन बस्तियों की जनसंख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। लेकिन

उनके जीवन स्तर में परिवर्तन नही हो पा रहा है। यद्यपि सरकार एवं स्वयं सेवी संस्थाएं मलिन बस्तियों के जीवन स्तर में सुधार के अनेक प्रयास लगातार कर रहे है परन्तु अभी भी इस ओर ध्यान की आवश्यकता है। वर्तमान समय संचार क्रान्ति का समय है। जिसके लिये व्यक्ति को जागरूक होना होगा, ताकि वह अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को जान सके। जिससे उनका समुचित विकास हो सके। इसलिये प्रस्तुत शोध पत्र में मलिन बस्ती के बालकों की शैक्षिक प्रगति पर आधुनिकीकरण का प्रभाव देखा गया। क्योंकि शिक्षा आधुनिकीकरण की देन भी है तथा उससे प्रभावित भी है। आधुनिकीकरण शब्द के पर्यायवाची के रूप में अंग्रेजीकरण, पश्चिमीकरण, यूरोपीयकरण, शहरीकरण विकास एवं प्रगति आदि शब्दों का भी प्रयोग करते हैं। लेकिन मुख्य रूप से इसका अर्थ गत्यात्मकता अर्थात् परम्परावादी विचारों, मान्यताओं एवं आदर्शों आदि को छोड़ कर नये विचारों, मूल्यों एवं आदर्शो को आत्मसात् करना है। इस प्रकार आधुनिकीकरण की प्रक्रिया विश्व संस्कृति का प्रसार है जो ज्ञान–विज्ञान, शिक्षा, उन्नत प्रविधि एवं जीवन के बारे में विवेक पूर्ण दृष्टिकोंण के कारण विकसित हुयी है। आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के कारण ही भारत में संचार साधनों, शिक्षा के प्रसार, नगरीकरण, औद्योगीकरण, आगमन के साधनों, आर्थिक तथा सामाजिक साझेदारी एवं सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा मिलता है।

शोध की आवश्यकता एवं महत्व

वर्तमान समय में सरकार तथा स्वयं सेवी संस्थायें इन बस्तियों के विकास के लिये कार्य कर रही है, शिक्षा सबको प्राप्त हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकारी आवास, शुद्ध पानी, बिजली, सड़क, विद्यालय, निशुल्क खाना, पढ़ाई की सामग्री तथा यूनीफार्म आदि की व्यवस्था की जा रही है। स्वरोजगार के लिये लोन तथा अनेक निशुल्क प्रशिक्षण संस्थान खोले जा रहे है। जिससे रोजगार प्राप्त कर सके और लोगो के जीवन स्तर में सुधार हो सके। इनसे मलिन बस्तियों के निवासियों के बालकों की शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ रहा हैं? इस बात का मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता हैं। इसलिये शोधार्थिनी के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुयी कि क्या मलिन बस्ती में रहने वाले बालकों की शैक्षिक प्रगति पर आधुनिकीकरण का प्रभाव पड़ा है? क्योकि मलिन बस्ती में रहने वाले बालकों को शहरी वातावरण प्राप्त होता है। सरकारी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा समय–समय पर कैम्प लगा कर उन्हें स्वास्थ्य, स्वच्छता आदि के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। जिससे उनके जीवन स्तर को उच्च बनाया जा सके साथ ही उनमें नवीन ज्ञान का संचार किया जा सके। इन सब सुविधाओं के प्राप्त होने से उनके विचारों में भी परिवर्तन आया होगा। वर्तमान समय का किशोर वर्ग पाश्चात्यीकरण को ही आधुनिकता की परिभाषा मान रहा है। शिक्षा के सार्वभौमिकरण, संचार के साधनों के प्रचार–प्रसार एवं वैश्वीकरण के युग में बालकों में केवल बाहरी आवरण में परिवर्तन है या उनके बिचारों और सोच में भी परिवर्तन आया है।

संबंधित साहित्य से संबंधित सर्वेक्षण कार्य

अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी शोध समस्या से सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन अत्यन्त आवश्यक है। वास्तव में सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण या अध्ययन शोधार्थी को नवीन ज्ञान प्रदान करता है जिससे उसे अपने क्षेत्र से सम्बन्धित निष्कर्षों एवं परिणामों का मूल्यांकन करने का अवसर प्राप्त होता है साथ ही यह ज्ञात होता है कि अनुसंधान की पुनः आवश्यकता कहाँ और क्यों है? जब शोधार्थी दूसरे शोधकर्तावों के अनुसंधान कार्य की जॉच एवं मूल्यांकन करता है तो उसे बहुत सी अनुसंधान विधियों, तथ्यों, सिद्धान्तों आदि का ज्ञान होता है, जो उसके अनुसंधान में उपयोगी होते है। साहित्य के पुनर्वीक्षण को स्पष्ट करते हुए मंगल आदि (2014) ने कहा है कि ''अनुसंधानकर्ता द्वारा जानबूझ कर किया गया एक प्रयत्न जो उसके अपने अनुसंधान अध्ययन के प्रकरण पर अब तक क्या किया जा चुका है और क्या नही किया गया है यह जानकारी प्राप्त करने के लिए अध्ययन से सम्बन्धित सभी प्रकार की उपलब्ध सूचनाओं का मुल्यांकन एवं पुनर्वीक्षण करने के लिए किया जाता है (पेज न. 245)।''

आधुनिकीकरण पर किये गये पूर्व शोधों का अध्ययन

1. **मनीषा** (2019, मार्च) ने अपने शोध पत्र में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का दलित महिलाओं की सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक प्रस्थिति पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया गया है। जिसमें आधुनिकीकरण के तत्वों से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र (शहरी) एवं सबसे कम प्रभावित क्षेत्र (ग्रामीण) की दलित महिलाओं की सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक प्रस्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण कर यह ज्ञात करने का प्रयास किया गया कि आधुनिकीकरण की प्रक्रिया का दलित महिलाओं की परिवार में स्थिति, समाज में स्थिति, शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में स्थिति तथा इन महिलाओं के दृष्टिकोण में क्या बदलाव आया है, कौन–कौन से क्षेत्रों में यह प्रभाव सकारात्मक रहा है और किन–किन क्षेत्रों में इसका प्रभाव नकारात्मक हुआ है? जिसमें परिणामस्वरूप पाया गया कि सामान्य जाति की महिलाओं की अपेक्षा अनुसूचित जाति की महिलाएं अधिक आत्मनिर्भर है।
2. **सिहं, प्रियंका** (2017) ने अपने शोध पत्र में आधुनिकीकरण एवं शिक्षा का सहसम्बन्ध देखा गया। जिसमें आधुनिकीकरण किस प्रकार शिक्षा को प्रभावित करती है तथा शिक्षा आधुनिकीकरण के एक साधन यन्त्र के रूप में कैसे कार्य करता है? जिसमें परिणामस्वरूप पाया गया कि आधुनिकीकरण परिवर्तन की एक प्रक्रिया है, जो निरन्तर, क्रमिक, मन्दगति से चलने वाली प्रक्रिया है। शिक्षा आधुनिकीकरण की दशाएं एवं वातावरण तैयार करती है। यह सामाजिक एवं आधुनिकीकरण की गति को तीव्र बनाती है तथा सामाजिक परिवर्तन व आधुनिकीकरण की सुरक्षा करती है।
3. **देवगन आदि** (2015) ने अपने लघु शोध प्रबन्ध में स्नातक स्तर के द्वितीय वर्ष के 480 विद्यार्थियों में

आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों जैसे – शिक्षा, अभिभावकों किशोर सम्बन्ध, धर्म, राजनीति, स्त्रियों की स्थिति, विवाह, सामाजिक सास्कृतिक क्षेत्र इत्यादि की सामाजिक अनुवर्तिता पर देखा गया। जिसमें पाया गया कि पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति के प्रादुर्भाव के कारण हमारे समाज में आधुनिकीकरण का प्रत्यय तीव्र गति से प्रसारित है प्रत्येक किशोर अपने स्तर से स्वयं को आधुनिक परिलक्षित करने में तत्पर पाया गया।

4. **सिंह, संजीव सेन** (2013) ने अपने लघु शोध प्रबन्ध नें जनपद जौनपुर के 400 लोगों को जिनकी आयु 40 वर्ष या इससे अधिक हो इसमें से 78 प्रतिशत पुरूष तथा 22 प्रतिशत महिलाओं का चयन किया गया जिसमें 88 प्रतिशत हिन्दू 12 प्रतिशत मुसलमान लिये गये। जिसमें निष्कर्ष स्वरूप पाया गया कि 98 प्रतिशत लोग आर्थिक विकास के लिये शिक्षा की भूमिका को महत्वपूर्ण माना 72.25 प्रतिशत ग्रामीण ने आर्थिक विकास में संचार के साधनों की भूमिका को महत्वपूर्ण माना 76.50 प्रतिशत ने ग्रामीण में भी एकांकी परिवार को स्वीकार किया 85 प्रतिशत लोग परिवार नियोजन के पक्षधर है। 53.75 प्रतिशत ने माना कि ग्रामों में पर्दा प्रथा में कमी, भोजन बनाने के परम्परागत तरीकों में परिवर्तन आ रहा है। लोगों का मानना है कि आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी के कारण समाज में मूल्यों, मान्यताओं एवं विचार शैली में परिवर्तन आ रहा है। लोग पुरानी परम्पराओं को तोड़कर आधुनिकता को स्वीकार कर रहे हैं।
5. **शर्मा** (2012) ने कार्यकारी और गैर कार्यकारी महिलाओं के बच्चों पर आधुनिकीकरण एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। जिसमें 300 बालकों को न्यादर्श के रूप में लेकर अध्ययन किया गया। परिणाम स्वरूप यह पाया गया कि बच्चों के आधुनिकीकरण एवं शैक्षिक उपलब्धि पर कार्यकारी या गैरकार्यकारी महिलाओं के प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। यदि अन्तर आता है तो वहाँ का वातावरण प्रभावित करता है जहाँ बच्चें अपना समय अधिक व्यतीत करते है।
6. **कल्पना** (2012–13) ने शिक्षित कार्यरत एवं शिक्षित अकार्यरत में आधुनिकीकरण एवं मूल्यों का अध्ययन किया गया। जिसमें 120 न्यादर्श के रूप में महिलाओं का चयन किया गया। जिसमें परिणाम स्वरूप यह पाया गया कि शिक्षित कार्यरत महिलायों में शिक्षित अकार्यरत महिलाओं की अपेक्षा आधुनिकीकरण उच्च है लेकिन आधुनिकता की सोच दोनो रखती है। क्योंकि दोनो प्रकार की महिलायें शिक्षित है तथा शिक्षा आधुनिकीकरण की पहली शर्त होती है।

समस्या कथन

''मलिन बस्ती में रहने वाले बालकों की शैक्षिक प्रगति में आधुनिकीकरण की भूमिका का अध्ययन''।

प्रस्तुत शोध में चरों का परिभाषीकरण

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त चरों को निम्न प्रकार परिभाषित किया गया है–

मलिन बस्ती

प्रस्तुत शोध में मलिन बस्ती से तात्पर्य कानपुर नगर में बसे उस स्थान से है जो अस्थायी, सघन और अवैध ढ़ग से बसी हुई है, जहाँ पर अस्वास्थ्यकर स्थितियाँ है तथा पर्याप्त हवा, रोशनी, स्वच्छता और पेयजल आदि सुविधाओं का अभाव है।

शैक्षिक प्रगति

प्रस्तुत शोध में मलिन बस्ती के कक्षा नौ (9) में अध्ययनरत बालकों की शैक्षिक प्रगति जानने के लिये उनके कक्षा आठ (8) के अंकपत्र को आधार माना है। पचपन (55) प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बालकों को उच्च शैक्षिक प्रगति समूह में तथा पैतालिस (45) प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बालकों को निम्न शैक्षिक प्रगति समूह में रखा गया है।

आधुनिकीकरण

आधुनिकीकरण से तात्पर्य ऐसे मानसिक एवं सामाजिक परिवर्तन से है जिसमें व्यक्ति वैज्ञानिक एवं तार्किक मार्ग को अपनाते हुये समाज के प्रति नवीन दृष्टिकोण रखता है एवं परम्पराओं के स्थान पर विकास को महत्व देता है।

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य

1 मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

प्रस्तुत शोध की अनुसंधान परिकल्पना

H_1. मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर होता है।

परिसीमांकन

प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर की जिला शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त मलिन बस्तियों के कक्षा नौ में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं तक परिसीमित है।

शोध अध्ययन की शोध विधि

शोध की प्रकृति के आधार पर वर्णानात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध की जनसंख्या के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर की जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा अधिसूचित एवं मान्यता प्राप्त 419 मलिन बस्तियों में निवास करने वाले कक्षा नौ में अध्ययनरत बालकों को लिया गया है। (कक्षा आठ के अंकपत्र में प्राप्त 55 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बालक उच्च शैक्षिक प्रगति के तथा 45 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बालक निम्न शैक्षिक प्रगति वाले माने गये है)।

प्रतिदर्श **प्रस्तुत शोध के प्रतिदर्श**

मलिन बस्ती के उच्च शैक्षिक प्रगति वाले बालक	100
मलिन बस्ती के निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालक	100

योग	200

कुल योग– 200

प्रतिदर्श प्रतिचयन विधि

कानपुर विकास अभिकरण द्वारा स्वीकृत 419 मलिन बस्तियों को पाँच क्षेत्रों (पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण एवं मध्य) में विभाजित करके सरल संयोगिक प्रतिचयन विधि के अन्तर्गत लाटरी प्रणाली द्वारा 25 मलिन बस्तियों का चयन किया गया। प्रत्येक मलिन बस्ती को एक इकाई मानते हुये आठ बालकों का प्रयोजनपूर्ण प्रतिचयन विधि द्वारा 100 उच्च शैक्षिक प्रगति एवं 100 निम्न शैक्षिक प्रगति के बालकों का चयन किया गया।

प्रदत्त संकलन उपकरण

प्रस्तुत शोध पत्र में आधुनिकीकरण के प्रदत्तों के संकलन के लिये डॉ० एस0 पी0 अहलूवालिया एवं डॉ० ए0 के0 कालिया द्वारा निर्मित 'कम्प्रेहेन्सिव मॉर्डनाईजेशन इनवेन्टरी' (संशोधित 2010) प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।

उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति मापक मापनी

कक्षा आठ (8) के अंकपत्र में प्राप्त प्राप्ताकों के प्रतिशत के आधार पर बालकों के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति का निर्धारण किया गया है।

प्रदत्त संकलन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मलिन बस्ती मे रहने वाले बालकों की शैक्षिक प्रगति ज्ञात करने के लिये कक्षा आठ की परीक्षा के प्राप्तांक द्वितीयक आकड़ों के रूप में एवं आधुनिकीकरण चर के मापन के लिए मानकीकृत कम्प्रहेन्सिव मॉर्डनाईजेशन इनवेन्टरी (हिन्दी) परीक्षण द्वारा प्राथमिक आँकड़े प्राप्त किये गये।

सांख्यकीय प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन हेतु प्राप्त आंकड़ों की प्राचलिक परीक्षणों हेतु प्रसामान्यता की अवधारणा जॉच के लिये विषमता, ककुदता, z value, Kolmorov-Sminrov test का प्रयोग किया गया। स्तम्भाकृति, सामान्य प्रायिकता वक्र, बाक्स प्लाट की सहायता से वितरण की प्रसामान्यता की जॉच की गयी। आकड़ों का प्रसामान्य पायें जाने के कारण प्रस्तुत अनुसंधान में प्राचलिक सांख्यिकी मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण का प्रयोग कर परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया। समस्त सांख्यिकी का प्रयोग SPSS IBM 20 का प्रयोग कर परिणाम प्राप्त किये गये।

परिकल्पना का परीक्षण

H_1.

मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर होता है।

H_0.

मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के माध्य फलांकों में सार्थक अन्तर नही है

सारणी 1

मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के *'t'* परीक्षण मान के परिणामों का सारांश

चर	समूह (GROUPS)	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मनक विचलन (*SD*)	दो मध्यमानों के बीच अन्तर (*D*)	दो मध्यमानों के अन्तर की प्रमाणिक त्रुटि(SE_D)	df	*t*	*'d'*	*P*
आधुनिकीकरण	उच्च शैक्षिक प्रगति वाले बालक	100	170.76	12.79	6.19	1.78	198	3.47*	0.50	.001
	निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालक	100	164.57	12.38						

* 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक

आकृति–1

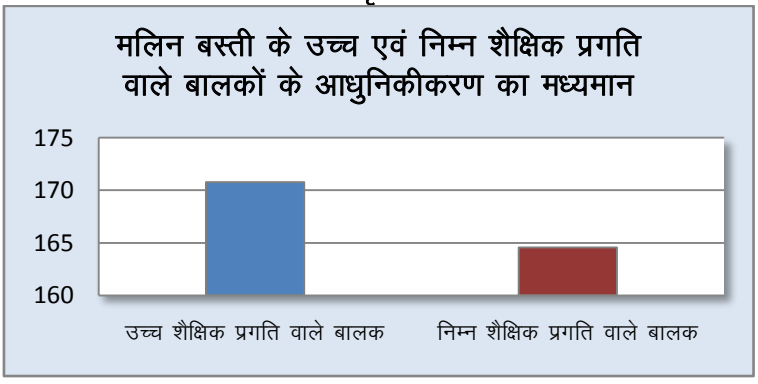

सारणी 1 के अवलोकन से स्पष्ट हो रहा है कि उच्च शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के प्राप्तांकों का मध्यमान 170.76 और मानक विचलन 12.79 है तथा निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के प्राप्तांको का मध्यमान 164.57 और मानक विचलन 12.38 है। उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का मान $t\,(198) = 3.47$, $p = .001 < 0.01$ है जो सार्थकता के .01 स्तर पर सार्थक है। जिसकी पुष्टि आकृति नम्बर 1 पर बने दण्ड आरेख से भी हो रही है। उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के प्राप्तांकों का आकार प्रभाव $(d) = 0.5$ है जो निम्न प्रभाव को दर्शाता है। जिससे स्पष्ट है कि उच्च शैक्षिक प्रगति वाले बालकों में आधुनिकीकरण अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना कि *उच्च एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले बालकों के आधुनिकीकरण के फलांकों में सार्थक अन्तर नही है,* निरस्त की जाती है, तथा शोध परिकल्पना उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के फलांकों में सार्थक अन्तर है, स्वीकार की जाती है।

शोध निष्कर्ष एवं व्याख्या

मलिन बस्ती के उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिकीकरण के फलांक निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालको की अपेक्षा अधिक पाया गया। जिससे स्पष्ट है कि आधुनिकीकरण से शिक्षा की प्रगति होती है, क्योंकि आधुनिकीकरण ने शिक्षा सबको सर्वसुलभ करा कर क्रान्तिकारी परिवर्तन ला दिया है। आधुनिक तकनीकि ने जहाँ शिक्षा को हो बालकों के विचारों में परिवर्तन लाती है। यही कारण है कि उच्च एवं निम्न शैक्षिक प्रगति वाले बालकों के आधुनिक विचारों में अन्तर पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

मलिन बस्ती के बालकों के आधुनिकीकरण के विकास के लिये उन्हें उचित अवसर प्रदान किये जाने से उनके व्यक्तित्व का संतुलित विकास हो सकेगा। जिससे वह समाज में अपना योगदान दे सके। जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र, एवं स्वयं के विकास की सम्भावनायें बढ़ जाती है। शिक्षकों एवं अभिभावकों द्वारा निर्देशन व परामर्श देकर दूर किया जा सकता है। इससे आदर्श समाज का निर्माण हो सकेगा। आज आवश्यकता है कि विद्यालयों में आधुनिकीकरण के विकास के लिये इससे सम्बन्धित गतिविधियों को शामिल किया जाय, शिक्षकों को इस सम्बन्ध में विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जायें। अभिभावकों से उनके बालकों के विकास के लिये उनसे सहयोग लिया जायें तथा उन्हें प्रोत्साहित व प्रशिक्षित किया जायें। समय–समय पर पर्यावरण प्रदूषण, स्वच्छता, संक्रमित बीमारियों, देशप्रेम, सामाजिक सद्भाव एवं नवीन विचारों को लेकर नुक्कड़ नाटक, वाद–विवाद, निबन्ध प्रतियोगिता आदि का आयोजन कराया जाय जिससे बालकों में जागरूकता आयेगी तथा उनका समुचित विकास हो सकेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *आरजू, मोजम्मिल हसन (2009), भारतीय महिला एवं आधुनिकीकरण, प्रथम संस्करण, ISBN-81-7169-246-x, नई दिल्लीः कामनवेल्थ पब्लिशर्स।*
2. *गुप्ता, एस0 पी0 एवं गुप्ता, अल्का (2014), उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, इलाहाबाद : शारदापुस्तकभवन।*
3. *पाठक, पी0 डी0 (2007–08), भारतीय शिक्षा और उसकी समस्यायें, (बाइसवां संस्करण), आगराः अग्रवाल पब्लिकेशन।*
4. *पाण्डेय, रामशकल (2002), उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, इलाहाबाद।*
5. *मंगल, एस0 के0 एवं मंगल, शुभ्रा (2014), व्यवहारिक विज्ञानों में अनुसंधान विधियाँ, दिल्लीः पी0एच आई, प्राइवेट लिमिटेड, रिमझिम हाउस।*
6. *लाल, रमन बिहारी (2010–2011), शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्वान्त, (सत्रवां संस्करण), मेरठः रस्तोगी पब्लिकेशन।*
7. *शर्मा, सुरेन्द्र कुमार (2007), नगरीय समाजशास्त्र के विविध आयाम, प्रथम संस्करण, ISBN-81-8356-261-2, नई दिल्लीः डिस्कवरी पब्लिशिग हाउस।*
8. *सिंह, अरूण कुमार (1998), मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा मे शोध विधियाँ, (तीसरा संस्करण), पटनाः मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन।*
9. *सिहं, प्रदीप (22 दिसम्बर, 2013), इस शहर का क्या करे? जनसत्ता रविवारी, इण्डिया वाटर पॉटल (हिन्दी), Retrieved from* www.india *water portal/hindi.*
10. *सिहं, प्रियंका (2017), शिक्षा आधुनिकीकरण के साधन के यंत्र के रूप में, इन्टरनेशनल जर्नल आफ एकेडमिक रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, ISSN: 2455-4197, Volume-2, ISSUE-4, JULY 2017, Page No.-784-786. Retrived from www.academicsjournal.com*
11. *श्रीवास्तव, अरूण (2012) इण्डियाज अरबन स्लमसः राइजिंग सोशल इन इक्वेलिटीज, मास पावर्टी एण्ड होमलेसनेस। Retrieved from www. global research. ca/india-s-urban slum rising.*
12. *www.shodhganga.inflibnet.ac.in*
13. *www.sarhadepatrika.com*